

[This question paper contains 1 printed page]

Roll No.:

Unique Paper Code : 12131401_OC

Name of the Paper : Indian Epigraphy, Paleography and Chronology

Name of the Course : BA (H), Sanskrit, Core, CBCS

Semester : IV

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75 Marks

टिप्पणी:

1. इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिये, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक होना चाहिये।
2. इस प्रश्नपत्र में कुल 6 प्रश्न हैं। इनमें से किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर दीजिये। सबके अङ्क समान हैं।

Note:

1. Answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.
2. There is **total 6 questions** in this paper. **Attempt any 4 questions**. Each question contains equal marks.

1. अभिलेखों के संग्रह एवं परिरक्षण के लिये अपनाए जाने वाले उपायों का वर्णन कीजिए।
Describe the methods being adopted to keep and preserve the inscriptions.
2. प्राचीन ब्राह्मी लिपि के सिद्धान्तों का वर्णन कीजिए।
Explain theories of Ancient Brahmi Script.
3. महरौली लौहस्तम्भ के चन्द्र कौन है? विस्तार से समझाइए।
Illustrate who is Chandra of Meharauli Iron Pillar.
4. प्राचीन अभिलेखों में वर्णित तिथ्यंकन पद्धति पर प्रकाश डालिए।
Illustrate dating system in the ancient Inscriptions.
5. दिल्ली टोपरा अभिलेख पर प्रकाश डालिए।
Illustrate the importance of Delhi Topra Inscription.
6. अभिलेखों में प्रयुक्त लेखन सामग्री पर प्रकाश डालिए।
Illustrate writing material in the inscriptions.

Unique Paper Code No : 12131402_OC
Name of the Paper : Modern Sanskrit Literature
Name of the Course : B.A. (H), Sanskrit, Core, CBCS
Semester : IV
Duration : 3 Hours
Max. Marks : 75

टिप्पणी:

1. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत अथवा हिन्दी अथवा अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों के उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
2. इस प्रश्नपत्र में कुल 6 प्रश्न हैं। इनमें से किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सबके अंक समान हैं।

Note:

1. Answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.
 2. There are **total 6 questions** in this question paper. Attempt any 4 question each question contains equal marks.
-
1. स्वातन्त्र्यसम्भवम् महाकाव्य में वर्णित मानवीय दर्शन का विवेचन कीजिए।
Discuss the Human philosophy as described in 'Swatantryasambhawam Mahakavya.
 2. भीमायनम् महाकाव्य में वर्णित सामाजिक चेतना पर प्रकाश डालिए।
Enlighten the social consciousness as depicted in Bhimaynam Mahakavya.
 3. शतपर्विका कथा के सामाजिक सन्देश का मूल्यांकन कीजिए।
Examine the social message of the story of Satparvika.
 4. आधुनिक संस्कृत नाटक के रूप में शार्दूलशकटम् की समीक्षा कीजिए।
Analyze Shardulshaktam as a Modern Sanskrit drama.
 5. आधुनिक संस्कृत गीतिकाव्यों में वर्णित राष्ट्रीय चेतना पर निबन्ध लिखिए।
Write an essay on the National Consciousness as depicted in the Modern Sanskrit Lyrical Poetry.
 6. आधुनिक संस्कृत साहित्य के प्रमुख रचनाकारों का सर्वेक्षण प्रस्तुत कीजिए।
Present a survey of important writers of Modern Sanskrit Literature.

This question paper contains 1 printed page.

Roll No. :
Unique Paper Code : 12137902
Name of the Paper : Art of Balanced Living
Name of the Course : B.A. (H), Sanskrit, DSE, CBCS
Semester : VI
Duration : 3 Hours
Maximum Marks : 75

टिप्पणी: 1. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

2. इस प्रश्नपत्र में कुल 6 प्रश्न हैं। इनमें से किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सबके अङ्क समान हैं।

Note: 1. Answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.

3. There are **total 6 questions** in this question paper. **Attempt any 4 questions.** Each question contains equal marks.

1. बृहदारण्यकोपनिषद् के आधार पर श्रवण, मनन एवं निदिध्यासन के स्वरूप का वर्णन कीजिए।

Discuss the nature of Śravaṇa, Manana, and Nididhyāsana on the basis of Brhadāraṇyakopaniṣada.

2. गीता के तृतीय अध्याय के आधार पर सन्तुलित जीवन के लिए 'कर्म -योग' की महत्ता को उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

Explain with examples the importance of *Karma-Yoga* for balanced life based on the third chapter of the Gītā with examples.

3. गीता के छठे अध्याय के आधार पर व्यवहार-शुद्धि के लिए 'ध्यान -योग' के महत्त्व का वर्णन कीजिए।

Describe the importance of *Dhyāna-Yoga* for behavioral refinement on the basis of the sixth chapter of the Gītā.

4. गीता के द्वादश अध्याय के आधार पर आत्मोत्कर्ष के लिए भक्ति के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।

Explain the importance of *bhakti* for self-realization on the basis of the twelfth chapter of the Gītā.

5. 'योग' शब्द को स्पष्ट करते हुए चित्तवृत्तियों का विवेचन कीजिए।

Explaining the word 'Yoga' describe the *Chittavrittis*

6. योग दर्शन में प्रतिपादित अष्टांग-योग के महत्त्व का वर्णन कीजिए।

Describe the importance of *Aṣṭāṅga-yoga* as mentioned in Yoga Philosophy.

This question paper contains 1 printed page.

Roll No. :
Unique Paper Code : 12137908
Name of the Paper : Fundamentals of Ayurveda
Name of the Course : B.A. (H), Sanskrit, DSE, LOCF
Semester : VI
Duration : 3 Hours
Maximum Marks : 75

टिप्पणी:

1. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
2. इस प्रश्नपत्र में कुल 6 प्रश्न हैं। इनमें से किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सबके अङ्क समान हैं।

Note:

1. Answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.
 2. There are **total 6 questions** in this question paper. **Attempt any 4 questions.** Each question contains equal marks.
-
1. उत्तरायण एवं सातम्य पर विस्तृत निबन्ध लिखिए।
Write detailed essay on *uttarāyaṇa* and Homologation.
 2. आयुर्वेद की पुनर्वसु -परम्परा का विस्तृत वर्णन कीजिए।
Describe the *punarvasu* tradition of āyurveda in detail. चरक एवं सुश्रुत पर टिप्पणी लिखिए।
 3. ऋतु के अनुसार आहार विहार के लाभ का विवेचन कीजिए।
Discuss about the profit of food habit (ahara) and traveling (vihara) as according to season.
 4. हेमन्त, शिशिर एवं वसन्त ऋतु में पथ्य-अपथ्य का विवेचन कीजिए।
Describe regimen of fall Hemanta, Sisira & Vasanta seasons.
 5. तैत्तिरीयोपनिषद् की भृगुवल्ली में वर्णित ब्रह्म स्वरूप का वर्णन कीजिए।
Briefly discuss about 'Brahman' as depicted in the Taittiriyaopanishad's Bhṛiguvalī.
 6. माधवनिदान एवं शार्ङ्गधरसंहिता पर विस्तृत टिप्पणी लिखिए।
Write detailed notes on Mādhavanidāna and śārṅgadharaśaṁhitā.

This question paper contains 1 printed page.

Roll No.	:	
Unique Paper Code	:	12131602
Name of the Paper	:	Sanskrit Composition and Communication
Name of the Course	:	B.A. (H), Sanskrit, Core, CBCS
Semester	:	VI
Duration	:	3 Hours
Maximum Marks	:	75

टिप्पणी:

1. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों के उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
2. इस प्रश्नपत्र में कुल 6 प्रश्न हैं। इनमें से किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अङ्क समान हैं।

Note:

1. Answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.
 2. There are **total 6 questions** in this question paper. **Attempt any 4 questions.** Each question contains equal marks.
1. द्वितीया विभक्ति सम्बन्धी नियमों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
Explain with examples the rules of द्वितीया विभक्ति.
 2. वाच्य से क्या अभिप्राय है? कर्तृवाच्य एवं कर्मवाच्य के नियमों को सोदाहरण स्पष्ट करें।
What is the voice? Describe rules with examples कर्तृवाच्य and कर्मवाच्य.
 3. ण्वुल्, तृच्, क्त्वा एवं ल्यप् प्रत्ययों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
Explain with examples ण्वुल्, तृच्, क्त्वा and ल्यप् suffixes.
 4. पञ्चमी विभक्ति सम्बन्धी नियमों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
Explain with examples the rules of पञ्चमी विभक्ति.
 5. कोरोना विषयक वार्तालाप को संस्कृत में लिखिए।
Write a conversation about Corona in Sanskrit.
 6. 'संस्कृतभाषाया महत्त्वम्' विषय पर संस्कृत भाषा में निबन्ध लिखिए।
Write an essay on 'संस्कृतभाषाया महत्त्वम्' in Sanskrit Language.